दिनांक 19 अक्टूबर, 2016 को पाँचवीं अखिल भारतीय तीरंदाजी चैम्पियनशीप प्रतियोगिता–2016 के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदया का सम्बोधन

5वीं **All India Police Archery championship-2016** के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह प्रसन्नता का विषय है कि झारखण्ड प्रदेश को इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता के आयोजन का गौरव प्राप्त हुआ है। इस प्रदेश का सौभाग्य रहा है कि वर्ष 2012 में भी **First All India Police Archery championship** की मेजबानी करने का अवसर प्राप्त हुआ था और राँची का यह मोरहाबादी मैदान इसकी सफलता का साक्षी रहा है।

प्रतियोगिता में भारतवर्ष के कोने–कोने से आये सभी प्रतिभागियों को अपनी हार्दिक शुभकमनाएँ देती हूँ। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मीगण अपने–अपने कौशल का भरपूर प्रदर्शन कर इस कार्यक्रम को सफल बनायेंगे। खुशी की बात है कि आज से 26 October तक चलनेवाली इस तीरंदाजी की प्रतियोगिता में कुल 23 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की पुलिस एवं सशस्त्र बलों के 300 से अधिक पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मीगण भाग ले रहे हैं; जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगें। आशा है कि आयोजन के दौरान महिलाओं और पुरूषों के सभी Events का पूरे राज्यवासी आनन्द उठा सकेंगे।

मैं व्यक्तिगत रूप से अवगत हूँ कि हमारे पुलिस कर्मियों की दिनचर्या व्यस्ततम होती है; जो धैर्यपूर्वक नियम–कानून का पालन करते हुए सदैव जनता के लिये समर्पित रहते हैं, जिन्हें न केवल प्रत्येक क्षण भाँति–भाँति की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, बल्कि भारी तनाव को भी झेलना पड़ता है। इन सभी प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच वे न केवल समय निकाल कर खेल के प्रति अभिरूचि रखते हैं, बल्कि अपनी सक्रिय सहभागिता के साथ प्रतियोगिता में भाग भी लेते हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों पर भी पड़ता है।

पुलिस विभाग में खेलकूद के साथ–साथ ऐसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होना अत्यन्त ही आवश्यक हैं; जिससे

शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ ही साथ चारित्रिक विकास भी होता है। इससे एक बेहतर अनुशासनिक वातावरण का निर्माण होता है, जो कि विषम परिस्थितियों में मुकाबला करने की हिम्मत देता है। इस तीरंदाजी की प्रतियोगिता ने हमारे देश को विश्व स्तर पर एक पहचान दी है। इस खेल में हमारे राज्य की बेटियों दीपिका कुमारी एवं झानू हांसदा समेत कई खिलाड़ियों ने विभिन्न पदक जीत कर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है।

आप सभी को इस अवसर पर मैं बताना चाहूँगी कि प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण झारखण्ड प्रदेश के निवासियों में खेल के प्रति गहरी अभिरूचि है। वे न केवल खेल के प्रति समर्पित रहते हैं, बल्कि अन्य खिलाड़ियों के मनोबल में भी वृद्धि करते हैं। कहा गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इस क्रम में खुशी की बात है कि हमारे झारखण्ड प्रदेश में सशस्त्र बल की बटालियनों में शारीरिक व्यायाम के लिए 'जिम' बनाये गये हैं और जिला पुलिस मुख्यालय में भी ऐसी व्यवस्था है। मैं आशा करूँगी कि राज्य के पुलिस महानिदेशक इस रचनात्मक दिशा में और व्यापक प्रयास करेंगे।

मैं पुनः आज इस उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर इस प्रतियोगिता में भाग लेने आये सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएँ देती हूँ तथा अपेक्षा राखती हूँ कि सभी अपने–अपने कौशल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। ''**विजय श्री**'' आपकी प्रतीक्षा में है।

अन्त में, इस चैम्पियनशीप प्रतियोगिता– 2016 के सफल आयोजन के लिये आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई देती हूँ, जिन्होंने अपनी पूरी निष्ठा एवं मेहनत से इस आयोजन को मूर्त रूप दिया है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड।